अम्बे माँ विनती सुन लो तुमको बुला रहा हूँ भजन लिरिक्स

अम्बे माँ विनती सुन लो,
तुमको बुला रहा हूँ।

दोहा – सुमिर सरस्वती मात को,
गुरु चरनन में ध्यान,
नेम चन्द भाई की लेखनी,
आगे लिखे वयान।

अम्बे माँ विनती सुन लो,
तुमको बुला रहा हूँ,
नया साल आ गया है,
तेरी महिमा गा रहा हूँ,
अम्बे मां विनती सुनलो।bd।

तर्ज – मुझे इश्क है तुझी से।

तू है बड़ी दयालू,
भक्तों की रक्षा करती,
दुखियों के दुख मिटाके,
खुशियों से झोली भरती,
महिमा तेरी निराली,
सबको बता रहा हूँ,
नया साल आ गया है,
तेरी महिमा गा रहा हूँ,
अम्बे मां विनती सुनलो।bd।

दरबार कितना सुन्दर,
कोई नहीं कमी है,
आकर दरश दिखा दो,
अभीलाषा एक यही है,
आ जाओ माँ सभा में,
तुमको बुला रहा हूँ,
नया साल आ गया है,
तेरी महिमा गा रहा हूँ,
अम्बे मां विनती सुनलो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दरबार तेरे आकर,
तुझको मना रहे हैं,
तेरे भक्त आ गये सब,
गुणगान गा रहे हैं,
'नेम चन्द' दिवना बाले,
खुशियां मना रहे हैं,
नया साल आ गया है,
तेरी महिमा गा रहा हूँ,
अम्बे मां विनती सुनलो।bd।

अम्बे मां विनती सुन लो,
तुमको बुला रहा हूँ,
नया साल आ गया है,
तेरी महिमा गा रहा हूँ,
अम्बे मां विनती सुनलो।bd।

– Writer & Upload By –
Nem Chand Ji Prajapati
+1916397647998

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com